দুর্মন্থান্ শূর্রি শ্রুন্না শ্রন্ দুর্দ্রাল্য from practicing, [one] takes up the marvelous practices of the five afflictions of chapter nine.

지풍희·디즈·팅 opt. to begin 다 미도·쥰·미크다 도다 (문제·희릿국·국 | |독리·천리·필디자·디디도· 지풍희·디즈·팅 | At any time, when the day accords with the planet, [you] should begin even if it is during the black period.

colloc.:

दर्गे 'ईंब्रा दर्गे' प्र इस्रा दर्गे' प्र इस्रा वर्गे' प्र इस्रा वर्गे प्र इस्रा वर्गे प्र इस्रा वर्गे प्र वर्गे प्र इस्रा वर्गे प्र इस्रा वर्गे प्र वर्गे वर्

মন দু:স্ক্রা মন দু:নস্করা মন দু:নস্করা ৽
to undertake; to commence • (ā-√rabh): {GST}
ārabhet ► ট্রব:শ্রুমা নার্ন্রন্ম শ্রুমা
শ্রুমা | মুনির্বান্নাম কর্মিনা দুটানা মুনা
শ্রুমা | মুনির্বান্নাম কর্মিনা মনা দুটানা মুনা
mence making offerings in isolation by means
of the three basic consecrations. {GST}

्र्रेजा ∧ पश्रमा यञ्चमा श्रमा

1. to make effort; to exert; to exert (control over) • {LCh,MSA,MV} vyāyāma; {L} paryeṣati; {C}vṛtti; {MSA,C} ābhoga; {MV} āyāsa

AUX.:

ৠন'ন্ম'ন্যুন্। ∘ perf. to make effort ∘ {C} cestate; vestate

COLLOC .:

ন্বা'ন্ম-স্থিনা ন্বা'ন্ম-নেস্থলা ন্বা'ন্ম-নেস্থলা • to make persistent effort ► ন্-নুন-ট্রি-য়্রা-ন্বা-ন্ম-নেস্থলান্ট্ নিনুবা'ন্ম-ট্রাম্ব্রা Still, persistent effort must be made at the mātṛkās, and hence [it remains] to be finalized.

2. to approach □ (upa-√kram): {GVS} upakrantau ▷ প্রি-'ব্ন'ব্'র্ন'ব্ন' র্ন'ব্ন'র্ন'ব্ন'র্ন'ব্ন'র্ন'বার্বাক্ষ'ন্ত্রক্ষ'ন্ন'র্ন'র্ন'বার্বাক্ষ'ন্ত্রক্ষ'ন্ন'ব্ন'র্ন্ন' If [a monk] approaches a figurine of a woman made out of wood, ivory, stone, or cloth, ... {GVS}

क्रिया (क्रुपा) V पश्चमा पश्चमा क्रुमा

to grant; to bestow - 도본자' 핏디'폭리' 피형제' শ্ব্ৰুনা Grant [me] the two types of attainments (siddhi)! • 폴리' 피두리'줬' 디리' 피려드'다'됐습니 [Please] bestow permission [on me] to speak the story of the Dharma! {TGP}